



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 8] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 18 1988/श्रावण 27, 1910  
No. 8] NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 18, 1988/SRIVANA 27, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे यह असाधारण संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली 18 अगस्त, 1988

अधिकारी:

नि. नि. श्री (प्र) — केन्द्रीय मरकार ने सेना अधिकारियम 1457 (1,7 वा 62) का वारा 3  
की उपवास (1) के बाद (व) द्वारा प्रदत्त शर्तियों वा प्रयोग करने पुण यह वारणा करती है कि 18 अगस्त,  
1988 से तीन मास की श्रीर अवधि के लिए और वारा का नि. नि. श्री (प्र) नारीक ०१ मई 1457 द्वारा प्रवित

शाधिसूचना के कम में श्री लंका में भारतीय शांति सेना में सेवा या कर्तव्य, उक्त शाधिसूचना के प्रथम में श्री उसके प्रतीजनों के लिए सक्रिय सेवा होगी।

[फाइल सं. एम. एफ/पन एल/4438]

पी. राय, संयुक्त राजिया (नी सेना)

**MINISTRY OF DEFENCE**

New Delhi, the 18th August, 1988

**NOTIFICATION**

S.R.O. No. 9 (E) .—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the Navy Act, 1957 (62 of 1957), the Central Government hereby declares that for a further period of three months with effect from 18 August, 1988, and in continuation of the notification published vide S.R.O. 4-E, dated 20 May, 1988, service or duty with the Indian Peace Keeping Force in Sri Lanka shall be active service within the meaning and for the purposes of the said Act.

[File No. MF|NL|4438]

P. RAY, Jt. Secy. ((NAVY)